किसी की मुसीबत पर खुश होना - किसी की नकल उतारना - किसी की खमियां निकलना

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

किसी की मुसीबत पर खुश होना

तिर्मेजी; रावी हज़रत वासिला रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया तू अपने भाई की मुसीबत पर खुशी का इजहार ना कर वरना अल्लाह उसपर रहम फरमाएगा (और मुसीबत हटा देगा) और तुझे मुसीबत मै मुबतला कर देगा.

जिन दो आदमियों के बीच दुश्मनी होती है, उन्मे से किसी एक पर उस बीच कोई मुसीबत आ पडती है तो दूसरा बहुत खुशी मनाता है, ये इस्लामी जेहनियत के खिलाफ बात है, मोमिन अपने भाई की मुसीबत पर खुशी नहीं मनाता, अगरचे दोनों के बीच दुश्मनी हो.

किसी की नकल उतारना

तिर्मेजी; रावी हज़रत आईशा रदी.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया मै किसी की नकल उतारना पसन्द नहीं करता, चाहे उस्के बदले मुझे बहुत सी दौलत मिले.

किसी की खामियां निकलना (ऐबचिनी)

मिश्कात; रावी हज़रत आईशा रदी.

खुलासा- मैने रसूलुल्लाहﷺ से (एक मौके पर) कहा की हजरत सफिय्या (रदी) का ये ऐब की वो ऐसी है और वो छोटे कद की औरत है और ये बहुत बडा ऐब है, आपﷺ ने फरमाया ए आईशा! तुमने इतना गन्दा लफ्ज़ मुंह से निकाला है की अगर उसे समुद्र मै घोल दिया जाए तो पूरे समुद्र को गन्दा कर दे.

आम हालात मै आपﷺ की बीवियां आपस मै सौतन होने के बावजूद बडी मुहब्बत से रहती थी लेकिन कभी गफलत मै किसी से कोई गलती हो ही जाती, ऐसी ही गलती हजरत आईशा (रदी) से हुई की उन्होंने हजरत सफिय्या (रदी) को आपﷺ की नज़र मै गिराने के लिए उन्के छोटे कद होने का

जिक्र किया (सफिय्या छोटे कद की थी) आपﷺ ने सुनते ही नाराजी का इजहार किया, उन्हें बताया की तुमने बहुत ही गन्दी बात कह दी, चुनाचे फिर कभी हजरत आईशा (रदी) से ऐसी गलती नहीं हुई.

सहाबा (रदी) का भी यही हाल था, जिस गलती पर हुज़ूर ने उन्हें एक बार टोक दिया, फिर वो गलती दोबारा उनसे नहीं हुई.

इस हदीस का ये पहलू भी सोच विचार के लायक है की आपﷺ अपनी महबूब बीवी की गन्दी बात पर चुप नहीं रहे बल्की मुनासिब, अन्दाज़ मै उन्हें बता दिया, इस मै शौहरों के लिए बहुत बडा सबक है.